

शेर और चूहा

गर्मी का दिन था और एक शेर अपनी गुफा में झपकी ले रहा था। अचानक एक चूहा गलती से उसकी नाक पर चढ़ गया और शेर जैसे खतरनाक जानवर को जगा दिया। शेर को बहुत गुस्सा आया। शेर अपने पंजे के नीचे चूहे को कुचलने ही वाला था कि नन्हा चूहा अपनी जान की भीख मांगने लगा। शेर ने चूहे पर दया की और उसे जाने दिया।

कुछ दिनों बाद शेर जंगल में भटकते हुए शिकारियों के जाल में फँस गया। वह रस्सियों में इस कदर उलझा हुआ था कि हिल भी नहीं पा रहा था। शेर जमीन पर लेट गया और बेबस होकर दहाड़ने लगा। उसकी पुकार पूरे जंगल में गूँज उठी और चूहे के कानों तक पहुँच गई। वह दौड़कर मौके पर पहुंचा और जाल के धागों को टुकड़ों में काट लिया। इस प्रकार शेर की जान बच गई।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- शेर को किसने नींद से जगाया ? उत्तर -----
- शेर की जान किसने बचाई ? उत्तर -----
- शिकारियों ने किसे जाल में फँसाया ? उत्तर -----
- ऊपर दी गई कहानी का शीर्षक लिखिए। उत्तर -----